एक नजर में

पर्यावरण अनुकूल होली मनाने की अपील

गुना। रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी मंजुषा खत्री ने समस्त गुना वासियों से त्योहार को पर्यावरण संरक्षण के साथ मनाने की विनम्र अपील की है। उन्होंने कहा कि होली का उत्सव हमारी परंपराओं का हिस्सा है और इन परंपराओं में प्रकृति के संरक्षण का सदैव विशेष महत्व रहा है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने नागरिकों से आग्रह किया है कि होलिका दहन के दौरान लकड़ी का कम से कम उपयोग करें, ताकि अनावश्यक रूप से पेड़ों की कटाई को रोका जा सके और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा हो सके। उन्होंने एक बेहतर विकल्प सुझाते हुए कहा कि पारंपरिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीका अपनाते हुए गोबर से बने उपलों (गोकास्ट) का अधिक से अधिक प्रयोग करें। गोकास्ट न केवल वायु प्रदूषण को कम करते हैं, बल्कि हमारी ग्रामीण संस्कृति और स्वदेशी परंपराओं को भी मजबूती प्रदान करते हैं। होलिका दहन में प्लास्टिक, रबर, कचरा या अन्य हानिकारक वस्तुओं को न जलाएं। इन वस्तुओं को जलाने से वातावरण में जहरीला धुआं फैलता है, जो वायु प्रदूषण को बढ़ाता है।

अनिमेष बने 'किंग ऑफ रोज', गोपाल को मिला 'क्वीन ऑफ रोज' का खिताब

गुना में सजा गुलाबों का गुलस्तां : गुलाब की खेती बनेगी प्रदेश और देश के लिए प्रेरणादायक उदाहरण : उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल

मानस भवन में संभाग स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी का भव्य समापन

नवभारत न्यूज

गुना 1 मार्च का.। गुलाब की यह कहानी आने वाले समय में न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण साबित होगी। यह प्रेरक विचार उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने गुना के मानस भवन में आयोजित संभाग स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी एवं कृषक कार्यशाला के समापन अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने आधुनिक तकनीक और प्राकृतिक खेती के समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि परंपरागत खेती के बजाय फूलों की खेती अपनाकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं।

उद्यानिकी विभाग द्वारा आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने संभाग के विभिन्न जिलों से आए प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाए गए स्टॉलों और पुष्प प्रदर्शनी का गहनता से अवलोकन किया। किसानों से संवाद करते हुए उन्होंने उन्नत तकनीकों की जानकारी ली और गुलाब की खेती के आर्थिक लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यदि वैज्ञानिक पद्धति और बेहतर प्रबंधन से गुलाब की खेती की जाए, तो एक एकड़ क्षेत्र से सालाना लगभग 14 लाख रुपये तक की आय अर्जित करना संभव है। यह आय पारंपरिक फसलों जैसे गेहूं या सोयाबीन की तुलना में कहीं अधिक है। उप मुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि गुना का यह गुलाब मॉडल अन्य क्षेत्रों के किसानों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते अंधाधुंध उपयोग पर गहरी चिंता जताते हुए किसानों से अपील की कि वे प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर कदम बढ़ाएं। उनके अनुसार, ऑर्गेनिक उत्पाद न केवल स्वाद और गुणवत्ता में श्रेष्ठ होते हैं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित हैं।

'एचपीवी' टीकाकरण को जनआंदोलन बनाने की अपील

अपने संबोधन के दौरान उप मुख्यमंत्री ने कृषि के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता के महत्वपूर्ण विषय पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने समाज को आगाह करते हुए बताया कि महिलाओं में स्तन कैंसर के बाद सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे घातक और आम कैंसर है।

इस जानलेवा बीमारी से सुरक्षा के लिए प्रदेश में 'एचपीवी' टीकाकरण अभियान को तीव्रता से प्रारंभ किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि प्रथम चरण में 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को उनके नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर यह वैक्सीन अवश्य लगवानी चाहिए। इसके लिए केवल एक पहचान पत्र की आवश्यकता होगी और यह वैक्सीन एक ही दिन में लगाई जा रही है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह और जनप्रतिनिधियों से इस अभियान को एक 'जनआंदोलन' बनाने का आह्वान किया ताकि हर बेटी को इस सुरक्षा कवच से जोड़ा जा सके।

प्रदर्शनी के सितारे : अनिमेष और गोपाल ने जीते मुख्य पुरस्कार

पुष्प प्रदर्शनी के दौरान गुलाब की विभिन्न उन्नत और आकर्षक किस्मों ने दर्शकों का मन मोह लिया। परिणामों की घोषणा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने विजेताओं को सम्मानित किया। इस प्रदर्शनी में 'किंग ऑफ रोज' का प्रतिष्ठित पुरस्कार अनिमेष श्रीवास्तव को उनकी शानदार 'रिवाइवल' किस्म के गुलाब के लिए प्रदान किया गया। वहीं, 'क्वीन ऑफ रोज' का खिताब गोपाल अग्रवाल की 'टॉप सीक्रेट' किस्म ने अपने नाम किया। ये दोनों ही किस्में अपनी सुंदरता और बनावट के कारण पूरी प्रदर्शनी में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं।

गरिमामय उपस्थिति और प्रशासनिक सहभागिता

कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। समारोह में नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद्र गुप्ता, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह सालूजा और जिला पंचायत सदस्य संतोष धाकड़ ने भी अपने विचार साझा किए। प्रशासनिक स्तर पर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी और उपसंचालक उद्यानिकी केपीएस किरार ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं और कृषकों के मार्गदर्शन में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यशाला के अंत में बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों ने विशेषज्ञों से फूलों की खेती की बारीकियों को सीखा। इस आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि गुना के किसान गुलाब की खेती को व्यावसायिक रूप से अपनाते हैं, तो यह क्षेत्र पुष्प उत्पादन के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगा।

बूढ़े बालाजी क्षेत्र में स्कूली छात्रों का हाईवोल्टेज ड्रामा, सरेराह बेल्ट से मारपीट का वीडियो वायरल

गुना। शहर के बूढ़े बालाजी क्षेत्र में स्कूली छात्रों द्वारा सरेराह उत्पात मचाने और मारपीट करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और नाबालिगों के बीच बढ़ती अनुशासनहीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कम से कम दो स्कूली छात्र और उनके साथ मौजूद कुछ अन्य किशोर एक बालक के साथ बेरहमी से मारपीट कर रहे हैं। विवाद इतना बढ़ गया कि छात्रों ने सरेबाजार अपनी बेल्ट निकालकर वार करना शुरू कर दिया। डंडे से भी मारपीट की गई। इतना ही नहीं, आक्रोशित किशोरों ने वहां खड़े एक इलेक्ट्रिक रिक्शा में भी तोड़फोड़ की। बूढ़े बालाजी से टेकरी जाने वाले मुख्य मार्ग पर काफी देर तक यह तांडव चलता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उत्पात इतना अधिक था कि राहगीरों की बीच-बचाव करने की हिम्मत तक नहीं हुई। स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि लालाराम लोधा ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ऐसी हरकतों पर तत्काल रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। दोषी बच्चों की पहचान कर उनके परिजनों को समझाइश दी। क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए ताकि घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। वीडियो वायरल होने के बाद अब शहरवासियों की नजरें पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन नाबालिगों पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह भविष्य में किसी बड़ी वारदात का सबब बन सकते हैं।

कलयुगी पिता को मरते दम तक जेल : एक और 'निर्भया' को इंसाफ

गुना। रिश्तों को कलंकित करने वाले एक सनसनीखेज मामले में पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। म्याना थाना क्षेत्र में अपनी ही 16 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ बार-बार दुष्कर्म करने वाले दरिंदे पिता को न्यायालय ने आजीवन कारावास यानी मरते दम तक जेल और 8 हजार 500 रुपये के अर्थदंड की कठोर सजा से दंडित किया है। यह मामला 25 मई 2024 से शुरू हुआ था, जहाँ आरोपी पिता अपनी बेटी का शारीरिक और मानसिक शोषण कर रहा था। करीब पांच महीनों तक इस नर्क को झेलने के बाद, पीड़िता ने हिम्मत नहीं हारी। 27 अक्टूबर 2024 को उसने अपनी मां के साथ म्याना थाने पहुँचकर एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसी दिन गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जहाँ वह तब से ही बंद है। विशेष न्यायाधीश सोनाली शर्मा ने फैसला सुनाते हुए अत्यंत भावुक और कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने अपने आदेश में लिखा एक बेटी का बचपन बार-बार भरोसे के टूटने से सिसकता रहा। पिता के विश्वासघात ने उसकी हर खुशी को बुझा दिया था। वह टूटी थी, अपनों से हारी थी, पर बिखरी नहीं। जब उसने सच की रोशनी और अटल साहस से न्याय के दरवाजे को खटखटाया, तब न्यायालय ने एक और 'निर्भया' को इंसाफ दिलाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआई रचना खत्री ने बेहद संवेदनशीलता और तेजी से विवेचना की। घटना के महज दो महीने के भीतर 23 दिसंबर को न्यायालय में चार्जशीट पेश कर दी गई। अभियोजन पक्ष की ओर से पेश की गई कड़ी दलीलों, सटीक साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने शनिवार 28 फरवरीको यह फैसला सुनाया।

वरिष्ठ नागरिक परिसंघ का स्थापना दिवस और जिला सम्मेलन संपन्न

गुना। वरिष्ठ नागरिक परिसंघ जिला गुना का स्थापना दिवस एवं जिला सम्मेलन शहर में उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर जिले भर से आए वरिष्ठ नागरिकों ने सहभागिता की और संगठन की मजबूती पर चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधीश किशोर कुमार कन्याल उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में सभी वरिष्ठजनों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर कन्याल ने वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव और समाज में उनके योगदान की सराहना करते हुए सभी को मानस भवन में आयोजित भव्य गुलाब प्रदर्शनी में सम्मिलित होने का विशेष आमंत्रण भी दिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर तिलक, पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रज्ञा प्रवाह जिला प्रमुख रनीश जैन द्वारा किया गया, जबकि प्रताप सिंह परिहार ने ओजपूर्ण संघ गीत की प्रस्तुति दी।

प्रशासन से न्याय की मांग को लेकर हनुमान चौराहे पर लेटा बुजुर्ग

गुना। कैंट थाना अंतर्गत ग्राम पिपरौदाखुर्द में एक मजदूर के साथ गांव के ही कुछ दबंगों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिसिया कार्रवाई में देरी और शारीरिक पीड़ा से परेशान होकर पीड़ित परमाल सिंह अहिरवार रविवार सुबह करीब 10 बजे शहर के व्यस्ततम हनुमान चौराहे पर बीच सड़क पर लेट गया, जिससे कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई। पीड़ित परमाल सिंह के अनुसार, शनिवार शाम करीब 7 बजे गांव के ही तीन-चार लोग उसके पास आए और उसका साउंड सिस्टम मांगने लगे। जब परमाल ने मना किया, तो आरोपियों ने उसके साथ लाठी-डंडों से जमकर मारपीट कर दी। पीड़ित का कहना है कि वह एक गरीब मजदूर है और घटना के बाद उसने निजी स्तर पर अपना इलाज कराया, लेकिन उसे थाने ले जाने वाला कोई नहीं था। परमाल ने बताया कि शनिवार रात से ही वह दर्द से परेशान था और उसके पास थाने जाने के लिए बाइक या अन्य कोई साधन उपलब्ध नहीं था। कार्रवाई न होने और इलाज में मदद न मिलने से नाराज होकर वह पैदल ही हनुमान चौराहे तक पहुँचा और सड़क पर लेट गया। मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत इसकी सूचना कैंट पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस टीम ने उसे सड़क से उठाकर थाने पहुँचाया। घटना की सूचना मिलते ही कैंट पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित को अपने साथ थाने में ले गई है। जहां उसकी शिकायत दर्ज करने की बात कही जा रही है।

धनिया की कटाई के दौरान कुएं में गिरा दो बहनों का इकलौता भाई तिनस्याई में हादसा, सिर में गंभीर चोट से मौत

गुना। म्याना थाना क्षेत्र के ग्राम तिनस्याई में रविवार सुबह एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। अपने खेत पर धनिया की कटाई के दौरान प्यास बुझाने के लिए पड़ोस के खेत में पानी भरने गया 18 वर्षीय युवक फिसलकर कुएं में गिर गया। करीब 20 फीट की गहराई से गिरने के कारण सिर में लगी गंभीर चोट ने युवक की जान ले ली। इस हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार, मृतक नीलेश पुत्र सीमा कुशवाह रविवार सुबह करीब 11 बजे अपने खेत पर धनिया की कटाई करवा रहा था। काम कर रहे लोगों को पानी की आवश्यकता हुई, तो नीलेश पड़ोस के खेत में बने कुएं से पानी भरने चला गया। जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान नीलेश कुएं के अंदर गिरा मिला। आशंका जताई जा रही है कि पानी भरते समय पैर फिसलने के कारण वह अनियंत्रित होकर सीधे गहराई में जा गिरा। नीलेश अपने परिवार का इकलौता बेटा और दो बहनों के बीच अकेला भाई था। उसकी मौत की खबर सुनते ही माता-पिता और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में इस हादसे के बाद मातम पसरा हुआ है। वहीं परिजनों ने आरोप लगाया कि दुर्घटना के तुरंत बाद एम्बुलेंस और डायल-112 को सूचना दी गई थी, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी कोई मदद मौके पर नहीं पहुंची। मजबूर होकर परिजन नीलेश को निजी वाहन से म्याना अस्पताल लेकर आए।

अस्पताल पहुँचने के बाद डायल-112 वाहन सक्रिय हुआ और वहां से उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्थापना के 21 वर्ष पूर्ण होने पर मीनाक्षी हॉस्पिटल का सेवा संकल्प

नवभारत न्यूज

गुना। शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सीय संस्थान मीनाक्षी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर ने अपनी सफल स्थापना के 21 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस गौरवशाली उपलब्धि के उपलक्ष्य में अस्पताल प्रबंधन द्वारा समाज सेवा और जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आगामी 2 मार्च, सोमवार को एक भव्य नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर दलवी कॉलोनी स्थित अस्पताल परिसर में दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा।

अस्पताल प्रबंधन ने जानकारी दी है कि इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित लोगों तक विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं पहुँचाना है। शिविर में पहुँचने वाले मरीजों की जांच, परामर्श और डॉक्टरी मार्गदर्शन पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा। इसके अतिरिक्त अस्पताल प्रबंधन द्वारा जनहित में एक बड़ा निर्णय लेते हुए एक्स-रे एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांचें भी पूर्ण रूप से नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर में विभिन्न रोगों के अनुभवी और वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए उपस्थित रहेंगे। इनमें नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.एस. कुशवाह, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, जनरल सर्जन डॉ. बी.एल. कुशवाह, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अनमोल बाधवानी, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. कमल किशोर मीना, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. डी.एस. कुशवाह और दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. नवनीत सिंह कुशवाह शामिल हैं। ये विशेषज्ञ न केवल मरीजों की जांच करेंगे, बल्कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे रोगियों को आगे की चिकित्सा के लिए उचित मार्गदर्शन और उपचार संबंधी सलाह भी देंगे।

आज लगेगा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष करेंगे शुभारंभ

शिविर के गरिमामय शुभारंभ अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुमेर सिंह गढ़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन करेंगे और स्वास्थ्य सेवाओं की सामाजिक प्रासंगिकता व महत्ता पर अपने विचार साझा करेंगे। मीनाक्षी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर के इस आयोजन को लेकर जिलेवासियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन ने समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे इस नि:शुल्क शिविर का अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठाएं। यह आयोजन अस्पताल की दो दशकों से अधिक की सफल सेवा यात्रा का उत्सव होने के साथ-साथ पीड़ित मानवता की सेवा के प्रति उनके अटूट विश्वास का भी परिचायक है।

होली — होली पर्व पर गुना पुलिस का सुरक्षा कवच

हुड़दंगियों पर रहेगी पैनी नजर, चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेगा बल

गुना। रंगों के पावन पर्व होली को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए गुना पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के कुशल नेतृत्व में जिले भर में व्यापक और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। पुलिस का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक नागरिक और बच्चे बिना किसी भय या अव्यवस्था के इस त्योहार का आनंद ले सकें। आगामी 2 मार्च को होलिका दहन, 3 व 4 मार्च को धुलेंडी तथा 8 मार्च को रंगपंचमी के अवसर पर पूरे जिले में विशेष सतर्कता बरती जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और हुड़दंगियों के विरुद्ध कठोर व निर्णायक कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों की पहचान कर वहां स्थाई पुलिस पिकेट स्थापित किए गए हैं। मोबाइल पेट्रोलिंग और डायल-100 वाहन 24 घंटे निरंतर गश्त पर रहेंगे ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता पहुँचाई जा सके। विशेष रूप से शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा, जिसमें ब्रेथ एनालाइजर का उपयोग कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, होटल, ढाबों और सार्वजनिक स्थलों पर अवैध शराब के सेवन या विक्रय पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस ने 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई है। तीन सवारी बैठाने, तेज रफ्तार से वाहन चलाने, स्टंट करने और सार्वजनिक मार्गों को अवरुद्ध करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस ने चेतावनी दी है कि जबरन रंग लगाने या अभद्रता करने वालों को तत्काल सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी और आवश्यकतानुसार ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी साइबर सेल की विशेष नजर रहेगी ताकि भ्रामक या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली अफवाहों को रोका जा सके। त्योहार के दौरान शहर के भीतर यातायात को नियंत्रित करने के लिए विशेष रूट डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। 2 मार्च की शाम से लेकर 4 मार्च की शाम तक गुना-ग्वालियर-शिवपुरी और ब्यावरा-इंदौर-भोपाल मार्ग की बसें जज्जी बस स्टैंड से चिंताहरण मंदिर मार्ग होते हुए हाईवे बायपास से संचालित होंगी। भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सभी भारी वाहन सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक केवल एनएच-46 बायपास से ही गुजर सकेंगे। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने जिलेवासियों से अपील की है कि होली प्रेम और भाईचारे का पर्व है, इसे मयार्दा के साथ मनाएं और किसी की इच्छा के विरुद्ध रंग न लगाएं। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आह्वान किया है।

बच्चा चोरी के संदेह में ग्रामीणों ने पकड़ीं पांच महिलाएं पुलिस जांच में निकलीं घी बेचने वाली

गुना। म्याना क्षेत्र के संजय ग्राम में शनिवार को बच्चा चोरी की अफवाह के चलते ग्रामीणों ने पांच महिलाओं को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। हालांकि, पुलिस की प्रारंभिक जांच और पूछताछ में यह मामला पूरी तरह गलत पाया गया। पकड़ी गई महिलाएं ग्वालियर क्षेत्र की रहने वाली हैं और ग्रामीण इलाकों में घूम-घूम कर घी बेचने का काम करती हैं।

घटनाक्रम शनिवार का है, जब गांव के दो बच्चों ने आरोप लगाया कि एक अज्ञात महिला उन्हें बहला-फूसलाकर आगे का रास्ता पूछ रही थी और साथ चलने का दबाव बना रही थी। बच्चों की बात सुनकर परिजन और ग्रामीण इकट्ठा हो गए और उन्होंने संदिग्ध मानकर महिला को पकड़ लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने महिला की अन्य साथियों को भी फोन करवाकर बुलवाया और सभी पांचों महिलाओं को पुलिस को सौंप दिया। पकड़ी गई महिलाओं ने बताया कि वे पेशेवर अपराधी नहीं, बल्कि घी विक्रेता हैं और लंबे समय से इन क्षेत्रों में व्यापार कर रही हैं। थाना प्रभारी रविंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर महिलाओं को थाने लाकर गहन पूछताछ की गई। जांच में सामने आया कि सभी महिलाएं ग्वालियर क्षेत्र की रहने वाली हैं। संबंधित थानों से भी उनका रिकॉर्ड और जानकारी वेरिफाई की गई है, जहाँ से उनके निर्दोष होने की पुष्टि हुई। पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को देखते ही बिना प्रमाण के 'बच्चा चोर' समझकर कानून हाथ में न लें। अफवाहों पर ध्यान देने के बजाय तुरंत नजदीकी पुलिस थाने को सूचित करें।